STATEMENT BY MINISTER

Status of implementation of recommendations contained in the Twenty-fifth report of department-related Parliamentary Standing Committee on Information Technology

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY (DR. (SHRIMATI) KRUPARANI KILLI): Sir, I lay a statement regarding status of implementation of recommendations contained in the Twenty-fifth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Information Technology on "Disbursement of wages to Labourers under Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act by Post Offices" pertaining to the Department of Posts, Ministry of Communications and Information Technology.

MATTER RAISED WITH PERMISSION

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, we shall take up the matters to be raised with permission—Zero Hour. Shri K.N. Balagopal; not present. Now, Shri Prakash Javadekar.

Recent suicides committed by students for formation of separate Telangana State

श्री प्रकाश जावडेकर (महाराष्ट्र): सर, नवम्बर महीने में तेलंगाना क्षेत्र के एक जिले में तेलंगाना की मांग के लिए दो छात्रों ने आत्महत्या की है। आत्महत्याओं का यह दौर लगातार बदस्तूर जारी है। सर, वहां पिछले तीन सालों में लगभग 50 से ज्यादा आत्महत्याएं हुई हैं। आपको पता है, तेलंगाना का आन्दोलन 40 सालों से चल रहा है, उस आन्दोलन में 700 से ज्यादा लोग या तो पुलिस की गोली के शिकार हुए हैं या उन्होंने आत्महत्याएं की हैं। तेलंगाना के क्षेत्र के लोगों ने बहुत बड़ा बलिदान दिया है, वहां बहुत बड़ा आन्दोलन चला है। वहां के लोगों ने लोकतंत्र के माध्यम से जनभावनाओं का प्रकटीकरण जितना भी हो सकता है, वह किया है, लेकिन यह कांग्रेस-नीत यूपीए की सरकार है जो उनकी आवाज नहीं सुनती है।

इन 40 सालों तक चले आन्दोलन में से केवल 3 साल का उल्लेख मैं कर रहा हूं। पिछले तीन सालों में इन 50 युवकों ने जो आत्महत्याएं की हैं, उसके लिए पूरी तरह से यूपीए सरकार जिम्मेवार है, क्योंकि 9 दिसम्बर, 2009 को उस समय के गृह मंत्री पी. चिदम्बरम जी ने यह कहा "That a process of formation of separate State of

[श्री प्रकाश जावडेकर]

Telangana has begun". सरकार की तरफ से ऐसी घोषणा निरपवाद रीति से की गयी थी कि "that a proces of formation of separate State of Telangana has begun". सर, तीन साल हुए और ये तीन साल तेलंगाना के इतिहास में * के साल होंगे। तेलंगाना के साथ * हुआ है।

आप एक तरफ घोषणा करते हैं और दूसरी तरफ उस पर अमल न करते हुए ऑल पार्टी मीटिंग का बहाना बनाते हैं, नये-नये बहाने ढूंढ़ते हैं, नयी-नयी कमेटियां नियुक्त करते हैं, नयी-नयी रिपोर्ट लाते हैं, लेकिन तेलंगाना नहीं देते हैं। आज वहां कांग्रेस का भी सूपड़ा साफ हो गया है, फिर भी वह खुद के राजनीतिक हित को नहीं समझ रही है। तेलंगाना देना, यह फर्स्ट स्टेट रिऑर्गेनाइजेशन कमीशन के रेकमेंडेशन का आधार है और वह नहीं दिया गया है।

इसलिए आज मैं मांग करता हूं कि जैसा आपने 9 दिसम्बर को कहा है कि तेलंगाना का प्रोसेस शुरू हुआ है, उस पर तुरन्त अमल होना चाहिए। यही इन मासूम छात्रों, जिन्होंने निराशा और आक्रोश में आत्महत्याएं की हैं, उनको श्रद्धांजलि होगी। कांग्रेस ने तेलंगाना के साथ जो * किया है, इसका जवाब उसको तेलंगाना की जनता देगी। तेलंगाना को न्याय चाहिए और तेलंगाना होना चाहिए, यह हमारी मांग है।

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD (Bihar): Sir, we all associate ourselves with the matter raised by Shri Prakash Javadekar.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, the names of those, who are associating, may be noted.

SHRI BASAWARAJ PATIL (Karnataka): Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Prakash Javadekar.

श्रीमती माया सिंह (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

डा. नज़मा ए. हेपतुल्ला (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

श्री अविनाश राय खन्ना (पंजाब): महोदय, मैं इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री जगत प्रकाश नड्डा (हिमाचल प्रदेश): महोदय, मैं इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

---

*Expunged as ordered by the Chair.